नवरोज़

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

भारत के प्रधानमंत्री ने **पारसी नववर्ष** **[नवरोज़]**- जिसे विशेष रूप से महाराष्ट्र और गुजरात में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है, के अवसर पर अपनी शुभकामनाएँ दीं।

- इस वर्ष, नवरोज़ 16 अगस्त 2024 को मनाया गया। जबकि विश्व स्तर पर यह **मार्च में** मनाया जाता है, भारत में यह उत्सव **शहंशाही (Shahenshahi) या फसली कैलेंडर** के आधार पर जुलाई या अगस्त में मनाया जाता है, जिसमें लीप वर्ष नहीं होता है।
- नवरोज़ जिसका अर्थ है "नया दिन", पारसी धर्म में गहराई से निहित है, जो **प्राचीन फारस (आधुनिक ईरान) में पैगंबर ज़रथुस्त्र (Prophet Zarathustra)** द्वारा स्थापित सबसे पुराने एकेश्वरवादी धर्मों में से एक है।
  - भारत में नवरोज़ को फारसी राजा जमशेद के नाम पर जमशेद-ए-नवरोज़ (Jamshed-i-Navroz) के नाम से भी जाना जाता है।
  - पारसी नववर्ष उत्सव की शुरुआत 3000 वर्ष पुरानी है और इसे **भारत में 7वीं शताब्दी में गुजरात में प्रवास करने वाले ज़ोरास्ट्रियन (जिन्हें पारसी भी कहा जाता है) लोगों द्वारा लाया गया था।**
- [यूनेस्को] **ने वर्ष 2009 में प्रारंभिक प्रविष्टि के बाद वर्ष 2016 में नवरोज़ को** [मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची] **में शामिल किया।**

//

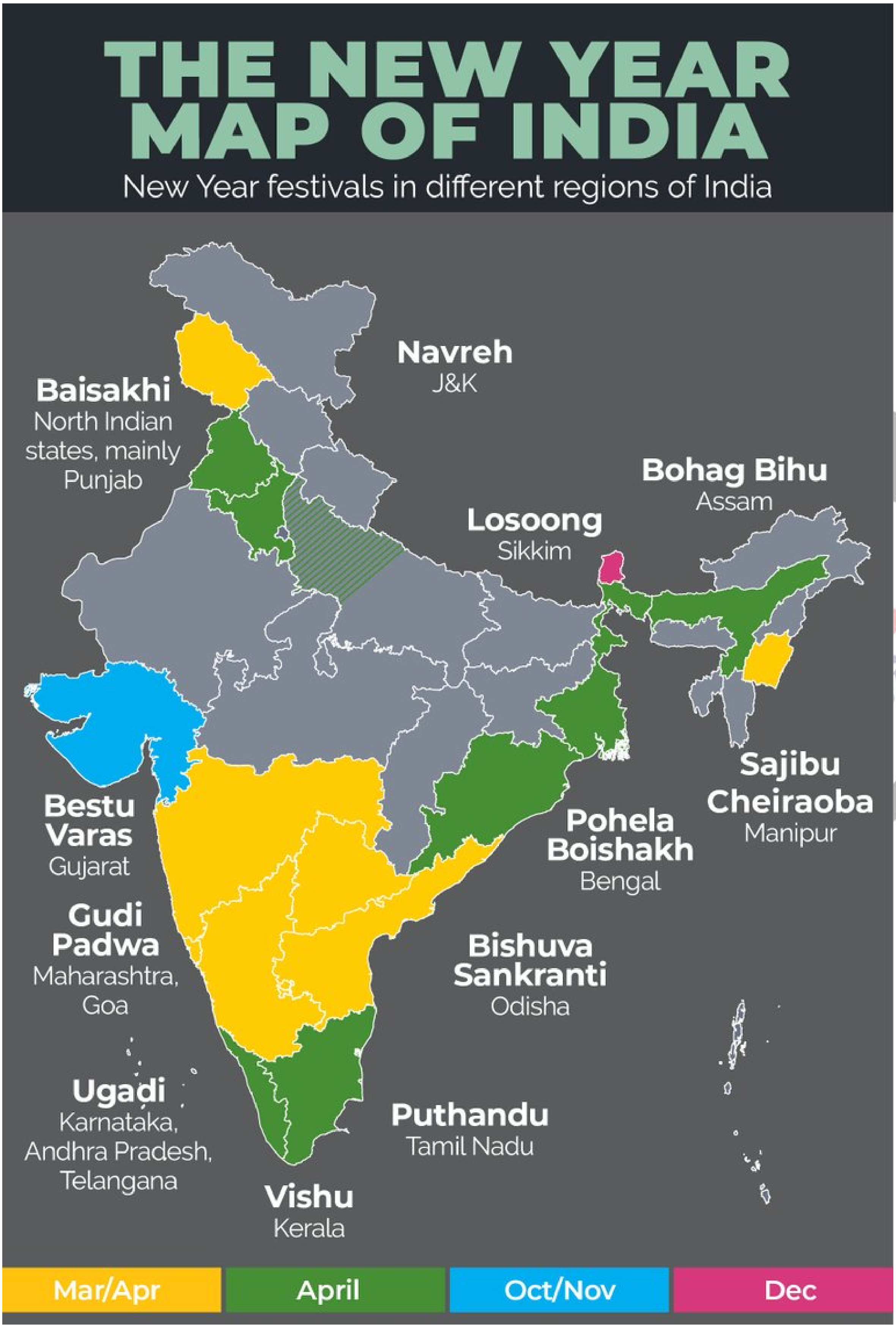

और पढ़ें: [पूरे भारत में नववर्ष के पारंपरकि त्योहार]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/navroz-1